भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: *293

08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप-स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन

***293. श्रीमती रूपकुमारी चौधरीः**

श्री राजकुमार चाहरः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देशभर में, विशेषकर मध्य प्रदेश के सीधी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में, उप-स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के उन्नयन हेतु कोई योजना शुरू की है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विशेषकर ओडिशा के कटक जिले में इन केंद्रों पर पारंपरिक मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के अतिरिक्त प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं का ब्यौरा क्या है;

(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान विशेषकर मध्य प्रदेश के सीधी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र और ओडिशा के कटक जिले में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है; और

(ङ) उक्त अवधि के दौरान छत्तीसगढ़ में उप-स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के उन्नयन और संचालन हेतु वर्ष-वार कितनी धनराशि आवंटित की गई है और कितने केंद्रों का उन्नयन किया गया है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में मंत्री

(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

08 अगस्त, 2025 के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं.293 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (ङ): फरवरी 2018 में, भारत सरकार ने दिसंबर, 2022 तक देश भर में 1,50,000 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम), पूर्ववर्ती आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र (एबी-एचडब्ल्यूसी), स्थापित करने की घोषणा की थी। इन केंद्रों का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मौजूदा उप-स्वास्थ्य केंद्रों (एसएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) का कायाकल्प करके व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करना है, जो सार्वभौमिक, निःशुल्क और समुदाय के करीब हों। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा एएएम पोर्टल पर दी गई जानकारी के अनुसार, दिनांक 15.07.2025 तक देश भर में कुल 1,78,154 एएएम संचालित हो चुके हैं, जिनमें मध्य प्रदेश के सीधी संसदीय क्षेत्र में 444 एएएम भी शामिल हैं।

ये एएएम ओडिशा के कटक जिले सहित पूरे देश में प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य सेवाओं, संक्रामक रोगों, गैर-संक्रामक रोगों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को समाहित करते हुए सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के तहत निवारक, प्रोत्साहक, पुनर्वास और उपचारात्मक परिचर्या प्रदान करते हैं। एएएम में योग, साइकिलिंग और ध्यान जैसी स्वास्थ्य संबंधी कार्यकलाप भी आयोजित किए जाते हैं। निःशुल्क औषधि और निःशुल्क निदान सेवा पहल के तहत, भारत सरकार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को राज्य स्वास्थ्य केंद्र-एएएम और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र-एएएम में आवश्यक दवाओं और नैदानिक परीक्षणों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। संचालित एएएम में उपलब्ध टेली-परामर्श सेवाएँ लोगों को अपने घरों के नज़दीक विशेषज्ञ सेवाओं तक पहुँच में सक्षम बनाती हैं, जिससे पहुँच संबंधी समस्याओं का समाधान होता है तथा परिचर्या की लागत में बचत, सेवा प्रदाताओं की कमी का समाधान और परिचर्या की निरंतरता भी सुनिश्चित होती है।

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), पंद्रहवें वित्त आयोग और राज्य बजट के तहत वित्त वर्ष 2022-23 से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान मध्य प्रदेश के सीधी संसदीय क्षेत्र में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) के लिए 37.15 करोड़ रुपये की निधि आवंटित की गई है।

ओडिशा सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, कटक जिले में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) के लिए वित्त वर्ष 2022-23 से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 8.55 करोड़ रुपये की निधि आवंटित की गई है।

वित्त वर्ष 2022-23 से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, छत्तीसगढ़ राज्य के लिए एनएचएम के तहत उप-स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के लिए 277.70 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। दिनांक 31.03.2025 तक कुल 5,876 एएएम संचालित हैं, जिनमें से वित्त वर्ष 2022-23 में 1153, 2023-24 में 144 और 2024-25 में 67 कार्यशील हो चुके हैं। पंद्रहवें वित्त आयोग के तहत, छत्तीसगढ़ में 872 भवन-रहित एसएचसी के निर्माण के लिए 254.37 करोड़ रुपये और 364 शहरी-एएएम की स्थापना के लिए 403.68 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

*****